

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4340
13.12.2019 को उत्तर के लिए

ऑड-ईवन योजना के प्रभाव

4340. श्री कपिल मोरेश्वर पाटील:
सुश्री एस. जोतिमणि:

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार/केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में ऑड-ईवन योजना के कार्यान्वयन से प्रदूषण स्तर पर प्रभावों का कोई आकलन किया है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार उक्त योजना को देश के अन्य महानगरों में लागू करने का विचार रखती है;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) क्या देश में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कोई शोध किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

- (क) से (घ) जनवरी, 12, 2017 को अधिसूचित ग्रेडिड रिस्पॉस कार्य योजना में आपातकालीन (गंभीर+) उपाय के रूप में ऑड-ईवन स्कीम को सूचीबद्ध किया गया है। अभी तक, दिल्ली सरकार द्वारा इस स्कीम को तीन बार कार्यान्वित किया गया है, पहली जनवरी 1-15, 2016, के दौरान फिर वर्ष 2016 में अप्रैल 15-30 और हाल ही में, नवंबर में 4-15, 2019 तक।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दिल्ली में 1 से 15 जनवरी, 2016 के दौरान कार्यान्वित ऑड-ईवन स्कीम का आकलन करवाया था। रिपोर्ट में यह बताया गया है कि यद्यपि ऑड-ईवन स्कीम के कारण वायु प्रदूषण में कुछ कमी होती है, पर एक कारक या कार्रवाई दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्तर को पर्याप्त रूप से कम नहीं कर सकती है।

वर्ष 2019 के दौरान ऑड-ईवन की अवधि (12 दिन), ऑड-ईवन की अवधि से पहले और ऑड-ईवन के बाद की अवधि के लिए सभी समान दिनों के लिए डाटा संकलित किया गया है और इसे नीचे प्रस्तुत किया गया है। डाटा, ऑड-ईवन अवधि के दौरान, प्रदूषण स्तरों में ज्यादा परिवर्तन नहीं दर्शाता है। ऑड-ईवन की अवधि से पूर्व का औसत सांद्रण तथा सांद्रण की रेंज, ऑड-ईवन की अवधि के संबंध में उच्चतर थी तथा ऑड-ईवन के बाद की अवधि में ऑड-ईवन अवधि से निम्नतर थी।

दिल्ली में ऑड- ईवन अवधि के दौरान प्रदूषकों ($\mu\text{g}/\text{m}^3$) का सांद्रण				
	एसओ ₂	एनओ ₂	पीएम _{2.5}	पीएम ₁₀
<i>ऑड-ईवन अवधि - 23 अक्टूबर - 03 नवंबर, 2019 से पूर्व 12 दिन</i>				
औसत	14	58	275	428
न्यूनतम	11	43	133	289
अधिकतम	18	72	486	592
<i>ऑड-ईवन अवधि - नवंबर 04 - 15, 2019</i>				
औसत	14	57	252	380
न्यूनतम	11	43	109	220
अधिकतम	16	76	399	582

ऑड-ईवन अवधि - नवंबर 16 - 27, 2019 के बाद 12 दिन				
औसत	13	55	131	231
न्यूनतम	11	34	64	127
अधिकतम	18	89	214	362

(ड.) प्रमुख वायु प्रदूषण स्रोतों और देश में परिवेशी वायु प्रदूषण स्तरों में उनके योगदान की पहचान करने हेतु कई अध्ययन किए गए हैं। दिल्ली - एनसीआर के लिए टीईआरआई और एआरएआई द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययन से पता चला है कि मौसमीय स्थितियों जैसे कि हवा की गति, अधिकतम मिश्रित ऊँचाई, तापमान आदि के साथ-साथ गर्मी और सर्दी के मौसम में पीएम₁₀ और पीएम_{2.5} सांद्रणों में मुख्य योगदान परिवहन, उद्योग, पराली जलाना, आवासीय, धूल (मृदा, सड़क और निर्माण) आदि का है। इसके अलावा, केंद्रीय सरकार ने व्यापक रूप से वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए, 102 लक्ष्य प्राप्त न करने वाले शहरों में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) शुरू किया है। इसके उद्देश्यों में अन्य बातों के साथ-साथ देशभर में प्रभावी परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क प्रणाली का विस्तार और विकास (मैनुअल और रियल टाइम स्टेशन), स्रोत संविभाजन अध्ययन, शहर विशिष्ट स्वच्छ वायु कार्य योजना, क्षेत्रीय हस्तक्षेप करना आदि शामिल हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम (एनएएमपी) के तहत, देश भर के, 28 राज्यों और 7 संघ राज्य क्षेत्रों में 344 शहरों / कस्बों को शामिल करते हुए 793 स्थलों पर परिवेशी वायु गुणवत्ता की निगरानी की जा रही है। इसके साथ-साथ, देश भर में, दिल्ली एनसीआर सहित 114 शहरों में 205 ऑनलाइन सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र (सीएएक्यूएमएस) स्थापित हैं। केंद्रीय सरकार ने समय-समय पर वायु प्रदूषण नियंत्रित करने हेतु विभिन्न प्रौद्योगिकीय विकल्पों की जांच के लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। दिल्ली एनसीआर में, उपशमन उपायों का निर्धारण करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं की जांच की गई है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ सड़कों और निर्माण स्थलों से उत्पन्न होने वाली धूल के नियंत्रण हेतु धूल-दमन उपकरण की प्रभावशीलता, पवन संवर्धन और शुद्धिकरण इकाइयों (वायु) का परिनियोजन और मूल्यांकन करना शामिल है।
